www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET Paper 3 December 30, 2007 Shift 1 Sociology Question Paper

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________
   (Name) ____________________
2. (Signature) ____________________
   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________
(In words)

Test Booklet No.

D–0507

PAPER–III

SOCIOLOGY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

www.prepp.in

SOCIOLOGY

समाजशास्त्र

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

Spencer is the founder of functional sociology. True, Auguste Comte had employed organismic analogies where the function of a part for the larger "body social" was to be discovered, but it was Spencer who converted Comte's vague analogies into a rigorous sociology. Thus, as Spencer sought to develop the laws of sociology, he couched them in an evolutionary and functionalist framework. The evolutionary portion of this framework emphasized aggregation, growth, differentiation, integration, and disintegration, whereas the functionalist portion stressed the need to examine differentiating social structures in terms of their consequences for meeting the fundamental needs of the social whole.

The functional part of Spencer's scheme begins with his famous organismic analogy, where he compares the properties of organisms to super-organic structures involving relations among organisms. Both organic and super-organic reveal, Spencer (1874-96, volume 1, p. 448) argued, a "parallelism of principle in the arrangement of components" along several lines : both differentiate structure as they grow, both differentiate functions to sustain the life of the whole, both achieve integration through mutual dependence of parts, both are composed of more elementary forms of life, and both can live on for a while after destruction of the systemic whole. If this were all Spencer had to offer sociology, there would be little reason to consider his work important; yet, unfortunately, it is this organismic analogy that still guides contemporary understandings of Spencer.

Far more important than this simple analogy are the functional and

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

evolutionary ideas developed by Spencer. The functional approach pursued by Spencer was analytical: what basic needs or imperatives must all super-organic systems meet if they are to remain viable in their environments ? Although Spencer's vocabulary varies somewhat, the substance of his answer to this question remained constant : all systems must regulate their relations with the environment in terms of protection from enemies and from the vicissitudes of the nature; all systems must secure and transform resources necessary to sustain life forms; all systems must reproduce their constituent members and the structural forms and symbols necessary to sustain individuals and the structural units of the larger super-organic whole.

स्पेंसर प्रकार्यात्मक समाजशास्त्र के प्रवर्तक हैं। यह सत्य है कि ऑगस्ट कॉम्टे ने अवयववादी जीव सादृश्य विधान का उपयोग किया था जिसमें बृहत्तर 'सामाजिक शरीर' के लिए एक अंग के कार्य की खोज करना अभीष्ट था, परन्तु स्पेंसर ने कॉम्टे के अस्पष्ट सादृश्य विधान को परिशुद्ध समाजशास्त्र में परिवर्तित किया। इस प्रकार स्पेंसर ने समाजशास्त्रीय नियमों को विकसित करने के क्रम में उन्हें एक क्रमिक-विकास तथा प्रकार्यात्मक ढाँचे में बांध दिया। इस ढाँचे का क्रमिक विकास भूमि समुच्य, वृद्धि, विभेदीकरण, एकीकरण तथा विघटन पर बल देता है, जबकि इसका प्रकार्यात्मक पक्ष सामाजिक पूर्ण की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के नतीजों के परिप्रेक्ष्य में विभेदकारी सामाजिक संरचनाओं की जाँच करने की आवश्यकता पर बल देता है।

स्पेंसर की योजना के प्रकार्यात्मक भाग का आरम्भ उसके प्रसिद्ध अवयववादी जीवपरक सादृश्य विधान से होता है जहाँ वह जीवों के गुणधर्म की तुलना महा-जैविक संरचना से करता है जिसमें जीवों के बीच संबंध सन्निहित है। स्पेंसर ने यह तर्क दिया (1874 - 96, खण्ड 1, पृष्ठ 448) कि जैविक तथा महा-जैविक दोनों ही संघटकों के व्यवस्थापन में अनेक रेखाओं पर सिद्धांत की समानंतरता को उद्घाटित करते हैं, दोनों ही आगे चलकर संरचना में विभेद करते हैं, दोनों पूर्ण के जीवन को टिकाऊ बनाने के लिए कार्यों में विभेद करते हैं, दोनों ही अंगों के अन्योन्याश्रय के द्वारा एकीकरण को प्राप्त करते हैं, दोनों जीवन के प्राथमिक रूप से रचित हैं तथा प्रणालीबद्ध पूर्ण के नष्ट हो जाने के बाद भी दोनों कुछ समय तक जीवित रहते हैं। यदि स्पेंसर को समाजशास्त्र में कुल मिलाकर यही सब प्रस्तुत करना था तो उसकी कृति को महत्वपूर्ण मानने के बहुत कम कारण हैं, तथापि, दुर्भाग्यवश, अवयववादी जैविक सादृश्यविधान ही अभी भी स्पेंसर के बारे में समसामयिक समझ को निर्देशित करता है।

www.prepp.in

स्पेंसर द्वारा विकसित प्रकार्यात्मक तथा क्रांतिकारी विचार इस सरल सादृश्य विधान से बहुत अधिक महत्वपूर्ण हैं। स्पेंसर द्वारा अनुसरित प्रकार्यात्मक उपागम विश्लेषणात्मक था; अपने वातावरण में जीवनक्षम बने रहने के लिए समस्त महा-जैविक प्रणालियों को किन बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति अनिवार्य रूप से करनी होगी? यद्यपि स्पेंसर की शब्दावली कुछ-कुछ बदलती रहती है, तथापि इस प्रश्न के प्रति उनके उत्तर का सार अटल है, शत्रुओं तथा प्रकृति के उतार-चढ़ाव से सुरक्षा के लिए समस्त प्रणालियों को वातावरण से अपने संबंध को नियंत्रित करना चाहिए, सभी प्रणालियों को जीवन को टिकाऊ बनाये रखने के लिए आवश्यक संसाधनों को सुरक्षित तथा रूपांतरित करना चाहिए, सभी प्रणालियों को संघटक सदस्यों तथा व्यक्तियों के दीर्घ जीवन के लिए आवश्यक संरचनात्मक रूपों तथा प्रतीकों तथा बृहत्तर महा-जैविक पूर्ण की संरचना तथा इकाइयों को पुनरुत्पादित करते रहना चाहिए।

1. What did August Comte discover ?
अगस्त काम्टे ने क्या खोज की?

Prepp
Your Personal Exams Guide

2. What are the contents of evolutionary portion of Spencer's framework ?
स्पेंसर के ढाँचे के क्रांतिकारी भाग का अंतर्विषय क्या है?

3. Write Spencer's organic analogy.
स्पेंसर के जैविक सादृश्य विधान के बारे में लिखें।

www.prepp.in

4. What according to the author Spencer's 'organic' and 'super-organic' reveal ?
लेखक के अनुसार स्पेंसर द्वारा प्रतिपादित 'जैविक' तथा 'महा–जैविक' क्या उद्घाटित करते हैं?

5. What is the final conclusion of the author ?
लेखक का अंतिम निष्कर्ष क्या है?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. Write briefly on phenomenology.

घटना-विज्ञान पर संक्षिप्त में लिखिए।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

7. Outline the main features of Althuser's Neo-Marxian perspective.

आल्थूजर के नवीन–मार्क्सवादी सिद्धान्त के मुख्य लक्षणों को लिखिए।

8. Explain A. Giddens' structuration theory.

ए. गिडिंग्स के संरचनाकरण सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

9. Note briefly the contribution of Goffman to ethnomethodology.

गॉफमैन के लोकविधि–विज्ञान के योगदान पर एक संक्षिप्त नोट लिखिए।

10. Write very briefly on Foucault's contribution to post-modernism.

फूको के उत्तर–आधुनिकतावाद के क्षेत्र में योगदान को संक्षिप्त में लिखिए।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

11. Define tribe. Write briefly on the major tribes of India.
जनजाति की परिभाषा दीजिए। भारत की मुख्य जन जातियों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

12. Describe Louis Dumont's perspective for the study of Indian Society.
भारतीय समाज के अध्ययन के लिये लूईस ड्यूमा द्वारा अपनाये गये परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिए।

Prepp
Your Personal Exams Guide

13. Write on A.R. Desai's Marxian understanding of Indian society.

भारतीय समाज को समझने के लिये ए.आर. देसाई द्वारा अपनाये गये मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य पर लिखिए।

14. Differentiate the subaltern perspective of B.R. Ambedkar from that of David Hondimom on understanding Indian Society.

भारतीय समाज को समझने के लिये बी.आर. अम्बेदकर एवं डेविड हार्डीमैन द्वारा अपनाये गये सब-आल्टर्न परिप्रेक्ष्यों में अन्तर बताइये।

Your Personal Exam Guide

www.prepp.in

15. Write on poverty and its consequences on Indian society.
गरीबी तथा भारतीय समाज पर इसके परिणामों का उल्लेख करें।

16. Highlight the major causes of domestic violence in Indian society.
भारत में पारिवारिक हिंसा के मुख्य कारणों का उल्लेख कीजिए।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

17. Explain on "slums of hope" and "slums of despair" with reference to Indian slums.
भारतीय गन्दी बस्तियों के संदर्भ में ''आशावान गन्दी बस्ती'' एवं ''आशाविहीन गन्दी बस्ती'' की व्याख्या कीजिए।

18. Write on the problems of environmental pollution in India.
भारत में पर्यावरण-प्रदूषण की समस्याओं पर लिखिए।

Prepp
Your Personal Exams Guide

19. Highlight 'suicide' among Indian farmers.

भारत में किसानों द्वारा की जाने वाली आत्म–हत्याओं को दर्शाइये।

20. How does Indian Science and Technology policy help reach Indian society to become a world super power ? Write a note.

क्या भारत द्वारा अपनाई गई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति भारतीय समाज को दुनिया का महाशक्तिशाली समाज बनाने में सक्षम है? व्याख्या कीजिए।

www.prepp.in

Prepp Your Personal Exams Guide

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

Rural Sociology
ग्रामीण समाजशास्त्र

21. Rural-urban differences are being minimized due to modernization process. Comment.
आधुनिकीकरण की प्रक्रिया के कारण ग्रामीण-नगरीय भेद कम होते जा रहे हैं – व्याख्या कीजिए।

22. Agrarian hierarchy is replica of caste hierarchy. Comment.
कृषि-सम्बन्धी पदानुक्रम जाति-पदानुक्रम की प्रतिकृती है – व्याख्या करे।

23. What are the major factors of social change in rural India ?
भारतीय ग्रामीण समाज में परिवर्तन लानेवाले प्रमुख कारक कौनसे हैं?

24. Write briefly on Jajmani system and Jajmani relations in contemporary period.
तत्कालीन जजमानी-व्यवस्था तथा जजमानी-संबंध पर संक्षेप में लिखिए।

25. Write a short note on land ownership patterns in post independent India.
स्वतन्त्र भारत में भू-स्वामित्व प्रणाली पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Elective - II

विकल्प – II

Industry and Society

उद्योग एवं समाज

21. Write a note on Emile Durkheim's explanation in 'Division of Labour in Society'.

'डिवीजन ऑफ लेबर इन सोसाइटी' में एमिल डर्खाइम द्वारा दी गई व्याख्या पर टिप्पणी लिखें।

22. Compare Karl Marx's explanation of alienation with that of Emile Durkheim.

अलगाव की कार्ल मार्क्स द्वारा की गई व्याख्या की तुलना डर्खाइम द्वारा की गई व्याख्या से करें।

23. "Industrial hierarchy is a replica of social hierarchy" - Comment.

''औद्योगिक पदानुक्रम सामाजिक पदानुक्रम की प्रतिकृति है'' – टिप्पणी कीजिए।

24. Explain the meaning and strategy of collective bargaining in relation to industrial labour.

औद्योगिक श्रमिक के संदर्भ में सामूहिक–मोलभाव के अर्थ तथा रणनीति की व्याख्या करें।

25. 'Industrialisation in India has not brought about desired social change' - Comment.

'औद्योगीकरण से भारत में वांछित सामाजिक परिवर्तन नहीं आ पाया है' – टिप्पणी कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

Sociology of Development

विकास का समाजशास्त्र

21. Write a note on sustainable development.

टिकाऊ विकास पर टिप्पणी लिखिए।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

22. Explain briefly the views of Andre Gunder Frank on centre - periphery in the context of development and underdevelopment.

विकास तथा अर्धविकास के संदर्भ में आंद्रे गुंडर फ्रैंक के केन्द्र-परिधि विषयक दृष्टिकोण को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

23. Comment on 'Globalisation reinforces modernisation'.

'वैश्वीकरण आधुनिकीकरण को सुदृढ़ बनाता है' – टिप्पणी लिखिए।

24. Elucidate your comment on 'Benefits of development do not always percolate down'.

'विकास के लाभ हमेशा निम्न स्तर तक नहीं पहुँचते हैं' – सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

25. Explain the role of women in development.

विकास में स्त्री की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

Population & Society

जनसंख्या एवं समाज

21. Explain briefly the salient features of demographic transition theory.

जनांकिकीय परिवर्तन सिद्धांत की प्रमुख विशेषताएँ संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

22. Elucidate the need for and process of population education in India.

भारत में जनसंख्या शिक्षा की प्रक्रिया तथा आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।

23. Explain the determinants of mortality and discuss the factors of infant and maternal mortality in India.

मृत्यु के निर्धारकों को स्पष्ट कीजिए और भारत में शिशु एवं मातृ मृत्यु के कारकों की चर्चा कीजिए।

www.prepp.in

24. 'Population is both, a constraint on and a resource for development'. Discuss.

'विकास में जनसंख्या एक अवरोध तथा संसाधन दोनों रूपों में प्रतीत होती है।' चर्चा कीजिए।

25. Explain the trend of population growth in India since 1901.

सन् 1901 से भारत में जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

Gender & Society

लिंग और समाज

21. Explain models of gender socialisation.

लिंग विषयक समाजीकरण के सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

22. Discuss the role of voluntary organizations (NGOs) in women's development.

स्त्री विकास में स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

23. In order to achieve gender equality empowerment of women is more important than welfare. Comment.

लिंग समानता प्राप्त करने में स्त्रियों का सबलीकरण कल्याण-कार्य से अधिक महत्व रखता है।

24. In a tradition bound society like India, it is a myth to achieve gender equality.

भारत जैसे परंपरावादी समाज में लिंग-समानता प्राप्त करना एक मिथक है।

25. Differentiate between radical theory and socialist theory of feminism.

स्त्री-वाद विषयक आमूल परिवर्तनवादी तथा समाजवादी सिद्धान्तों में होनेवाला भेद स्पष्ट कीजिए।

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - IV
खण्ड–IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Discuss the issues relating to Intellectual Property Rights that can marginalise Indian Society.

'इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राईट' से संबंधित उन मुद्दों की चर्चा करें जो भारतीय समाज को हाशिये पर खड़ा कर सकते हैं।

OR / अथवा

Communalism and terrorism are dysfunctional to social development in India. Examine critically.

भारत में सामाजिक विकास के लिए सम्प्रदायवाद तथा आतंकवाद दुष्क्रियात्मक है।

prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....